
Shrikrishna Ashtakam 3

श्रीकृष्णाष्टकम् ३

Document Information



Text title : kRishhNaashhTakam

File name : krishna8-3.itx

Category : aShTaka, vishhnu, krishna, vishnu

Location : doc_vishhnu

Author : Unknown

Transliterated by : Bhargavi Atchutuni

Proofread by : Bhargavi Atchutuni

Latest update : November 21, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 21, 2022

sanskritdocuments.org




श्रीकृष्णाष्टकम् ३




वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूरमर्दनम् ।
देवकीपरमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ १ ॥
अतसीपुष्पसङ्काशम् हारनूपुरशोभितम् ।
रत्नकङ्कणकेयूरं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ २ ॥
कुटिलालकसंयुक्तं पूर्णचन्द्रनिभाननम् ।
विलसत्कुण्डलधरं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥
मन्दारगन्धसंयुक्तं चारुहासं चतुर्भुजम् ।
बर्हिपिच्छावचूडाङ्गं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥ (पिच्छाव)
उत्फुल्लपद्मपत्राक्षं नीलजीमूतसन्निभम् ।
यादवानां शिरोरत्नं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥
रुक्मिणीकेलिसंयुक्तं पीताम्बरसुशोभितम् ।
अवाप्ततुलसीगन्धं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥
गोपिकानां कुचद्वन्द्वं कुङ्कुमाङ्कितवक्षसम् ।
श्री निकेतं महेष्वासं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥
श्रीवत्साङ्गं महोरस्कं वनमालाविराजितम् ।
शङ्खचक्रधरं देवं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥
कृष्णाष्टकमिदं पुण्यं प्रातरुत्थाय यः पठेत् ।
कोटिजन्मकृतं पापं स्मरणेन विनश्यति ॥

॥ इति कृष्णाष्टकम् ॥

——
Shrikrishna Ashtakam 3

pdf was typeset on November 21, 2022

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

